MGPS

गांधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

(माड्यूलर कार्यक्रम)

सत्रीय कार्य

वर्ष 2025–2026 के लिए

गांधी और शांति अध्ययन में कला स्नातकोत्तर उपाधि
(एमएजीपीएस)

गांधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पीजीडीजीपीएस)

गांधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र
(पीजीसीजीपीएस)

गांधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा कि हमने गांधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (माड्यूलर कार्यक्रम) की कार्यक्रम दर्शिका में बताया है कि प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा। इस पुस्तिका में **गांधी और शांति अध्ययन में कला स्नातकोत्तर उपाधि (एमएजीपीएस); गांधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीजीपीएस) और गांधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पीजीसीजीपीएस)** के सत्रीय कार्य हैं। यह गांधी और शांति अध्ययन के माड्यूलर कार्यक्रम के पाठ्यक्रम हैं।

आपको सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके एक निश्चित समयावधि के बीच जमा करना है जो आपके कार्यक्रम का एक हिस्सा हैं और यह आपको कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने के योग्य बनाते हैं जिनमें आपका पंजीकरण हुआ है। सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सभी निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने ही शब्दों में लिखें। आपके उत्तर भाग–विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सभी सत्रीय कार्यों को आप अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकित करने के पश्चात् अध्ययन केन्द्र आपको इन्हें वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एसईडी), इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होगा।

प्रस्तुतीकरण : आपको सत्रांत परीक्षा देने की पात्रता प्राप्त करने के लिए निर्धारित समय–सीमा के भीतर सभी सत्रीय कार्यों को अवश्य जमा करना होगा। पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों को निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँः

समय सारणी

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2025 सत्र के लिए	31 मार्च 2026	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।
जनवरी 2026 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2026	

सत्रीय कार्य करने के लिए मार्ग निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य के प्रत्येक श्रेणी के लिए दिए गए निर्देषों के अनुसार अपने प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें, यह आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगीः

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उनका ध्यान से अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठनः** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनशील बनें और विश्लेषण करने का प्रयास करें। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष लिखने पर समुचित ध्यान दें:
   यह सुनिष्चित कर लें कि आपका उत्तरः
   क) तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और।
   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही–सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरणः** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ, तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तरों की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ–साफ हस्तलिपि में लिखें और जिन बिन्दुओं पर ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें।

शुभकामनाओं के साथ,

पाठ्यक्रमः गाँधी के बाद अहिंसक आन्दोलन (एम जी पी ई–007)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–007/ए एस एस टी/टी एम ए/2025–2026
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. स्वतंत्र भारत में गाँधीजी के बाद के परिदृश्य पर विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

2. गाँधीजी के बाद के संगठनात्मक स्वरूपों का उल्लेख और वर्णन कीजिए।

3. स्वतंत्रता के पश्चात् भारत में अहिंसक आंदोलनों के परिणामों पर टिप्पणी कीजिए।

4. अनिवासी भारतीय विवाहों की शिकार महिलाओं की दुर्दशा पर चर्चा कीजिए।

5. भूदान आंदोलन के बारे में क्या भ्रांतियाँ थीं? व्याख्या कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) संपूर्ण क्रांति
   ख) मद्यनिषेध पर गाँधीजी

7. क) किसान आंदोलनों में गाँधीवाद
   ख) चिपको आंदोलन

8. क) नर्मदा बचाओ आंदोलन
   ख) साइलैंट वैली (शांत घाटी)

9. क) जल संरक्षण आंदोलन
   ख) संयुक्त राज्य अमरीका में नागरिक अधिकार आंदोलन

10. क) ग्रीन पीस(हरित शांति) आंदोलन
    ख) दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद विरोधी आंदोलन

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का गाँधीवादी दृष्टिकोण
(एम जी पी ई–008)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–008/ए एस एस टी/टी एम ए/2025–26
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. शांति क्या है? व्याख्या कीजिए।

2. सहिष्णुता और सद्भाव पर एक टिप्पणी लिखिए।

3. सामुदायिक शांति के बारे में गाँधीजी के दृष्टिकोण पर चर्चा कीजिए।

4. शांति के प्रति नारीवादी दृष्टिकोण की जाँच कीजिए।

5. संघर्ष के स्रोतों का उल्लेख कीजिए और उनका वर्णन कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) संवाद और सुविधा
   ख) रचनात्मक आत्मपीड़ा

7. क) चिपको आंदोलन
   ख) उपवास

8. क) हड़ताल
   ख) संवाद और बातचीत

9. क) मध्यस्तथा और सुलह
   ख) नोआखाली

10. क) कश्मीर (संघर्ष का जाति–अध्ययन)
    ख) फिलिस्तीन

पाठ्यक्रमः संघर्ष प्रबंधन (एम जी पी ई–010)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–010/ए एस एस टी/टी एम ए/2025–26
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. विसंगति विश्लेषण क्या है? व्याख्या कीजिए।

2. प्रासांगिक सिद्धांतों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

3. संघर्ष मूल्यांकन की सीमाओं पर चर्चा कीजिए।

4. संघर्ष उपरान्त् पुनर्प्राप्ति पर एक टिप्पणी लिखिए।

5. संघर्ष प्रबंधन के कुछ दृष्टिकोणों पर चर्चा कीजिए।

भाग – II

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) पंजाब (संघर्ष और प्रबंधन का घटनावार अध्ययन)
   ख) संघर्ष परिवर्तन

7. क) संघर्ष और प्रबंधन पर जीन शार्प के विचार
   ख) गाँधी का स्वराज

8. क) चंपारण (घटनावार अध्ययन)
   ख) शांति स्थापना

9. क) शांति स्थापना के लिए संपूर्ण सरकार दृष्टिकोण
   ख) संघर्ष के उपरान्त् पुनर्निर्माण और पुनर्वास

10. क) अर्न्तराष्ट्रीय समुदाय और पुर्ननिर्माण
    ख) भारत और क्षेत्र के लिए अफगानिस्तान का महत्व

पाठ्यक्रमः मानव सुरक्षा (एम जी पी ई–011)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–011/ए एस एस टी/टी एम ए/2025–26
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. मानव सुरक्षा क्या है? व्याख्या कीजिए।

2. मानवाधिकारों के विकास का वर्णन कीजिए।

3. मानव सुरक्षा के प्रति गाँधीवादी दृष्टिकोण पर एक टिप्पणी लिखिए।

4. मानव सुरक्षा के गाँधीवादी दृष्टिकोण पर चर्चा कीजिए।

5. हिंसा के प्रकारों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) शासकीय हिंसा
   ख) आतंकवाद

7. क) विकास और वैश्विक तापन (ग्लोबल वार्मिंग)
   ख) खाद्य सुरक्षा

8. क) असंगठित श्रमिक
   ख) हाशिए पर खड़े लोगों का सशक्तिकरण

9. क) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग
   ख) मानव सुरक्षा का मापन

10. क) मानव सुरक्षा की वैश्विक स्थिति
    ख) दक्षिण एशिया में मानव सुरक्षा